

**सूर्योदयान** पुं. (तत्.) सूर्यवन नामक तीर्थ।

**सूर्योपनिषद्** स्त्री. (तत्.) एक उपनिषद्, एक उपनिषद् का नाम।

**सूर्योपस्थान** पुं. (तत्.) संध्योपासन के समय की जाने वाली सूर्य की एक विशेष उपासना (पूजा)।

**सूर्योपासक** पुं. (तत्.) 1. सूर्य की उपासना करने वाला व्यक्ति 2. सूर्य पूजक वि. सूर्य का पूजक, सूर्य का उपासक।

**सूर्योपासना** स्त्री. (तत्.) सूर्य की पूजा, सूर्यदेव की आराधना।

**शूल** पुं. (तत्.) 1. चुभने वाली वस्तु, काँटा, शूल 2. भाला, बछ्छी 3. शिव का त्रिशूल 4. पीड़ा, दुख, दर्द 5. संकट।

**शूलधारी, शूलधर** वि. (तत्.) शूलधर, शूलधारी, शूल धारण करने वाला पुं. त्रिशूल धारण करने वाले देव, शिव, भगवान शंकर, महादेव।

**शूलना** स.क्रि. (देश.) 1. कोई नुकीली तथा कष्टदायक वस्तु चुभाना 2. काँटा चुभाना 3. बरछी, भाला आदि नुकीली वस्तु चुभाना 4. कष्ट देना या पीड़ा पहुँचाना अ.क्रि. 1. नुकीली चीज चुभना 2. काँटा चुभना 3. पीड़ित होना, कष्ट पाना 4. मानसिक पीड़ा होना 5. दर्द होना।

**शूलपाणि** वि. (तत्.) शूल पाणि शूलधारी, जिसके हाथ में शूल हो, त्रिशूलधारी पुं. त्रिशूल धारण करने वाले महादेव, शिव।

**शूलप्रद** वि. (तत्.) शूलप्रद, कष्टकारक, वेदना या दुख पहुँचाने या देने वाला।

**शूलहर** वि. (तत्.) शूलहर, कष्टनाशक, कष्ट को दूर करने वाला, दुःखनाशक।

**शूली** स्त्री. (तत्.) 1. शूली, लोहे की नुकीली छड़ पर बैठाकर प्राणदंड दिए जाने का एक प्रकार 2. फाँसी 3. बहुत कष्ट तथा पीड़ा या व्यथा की दशा या स्थिति मुहा. शूली चढ़ाना- फाँसी की सजा देना, प्राणों का शूली पर टंगे रहना- दुविधा के कारण बहुत वेदना या व्यथा होना।

**सूवना** अ.क्रि. (तत्.) 1. प्रवाहित होना, स्रवित होना, बहना 2. पुं. तोता, सूआ (सुग्गा)।

**सूवर** पुं. (तत्.) सूअर, एक जानवर जिसके जंगली तथा पालतू दो प्रकार होते हैं। जंगली बलशाली तथा हिंसक होता है तथा पालतू मलखोर होता है।

**सूस** पुं. (तत्.) शिशुमार, एक जलचर 'सूँस' स्त्री. (अर.) मुलेठी (फा.) एक जंतु गोह dolphin

**सूसला** पुं. (देश.) शश, शशक, खरगोश।

**सूसि** पुं. (तत्.) सूँस, सूस, एक जलजंतु।

**सूसी** स्त्री. (देश.) एक प्रकार का धारीदार कपड़ा।

**सूहवा** वि. (देश.) सधवा, सुहागिन (स्त्री)।

**सूहा** पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का गहरा लाल रंग 2. चमकीला लाल रंग 3. राग विशेष वि. चमकीले लाल रंग का।

**सृंखला** स्त्री. (तत्.) शृंखला, जंजीर उदा. "तुलसीदास-प्रभु मोह सृंखला छुटिहै तुम्हारे छोरे (विनय. 114)।

**सृंग** पुं. (तत्.) 'शृंग', (पर्वत का) शिखर, चोटी 2. कंगूरा, सिरा 3. सींग 4. 'सिंगी' नामक वाद्य यंत्र।

**सृंगवेर** पुं. (तत्.) 1. अदरक, सोंठ 2. शृंगवेरपुर नामक नगरी (वर्तमान सिंगरौर)।

**सृंगवेरपुर** पुं. (तत्.) शृंगवेरपुर, इलाहाबाद जनपद की सिंगरौर नगरी उदा. सीता सचिव सहित रघुराई, शृंगवेरपुर पहुँचे जाई"।

**सृंगी** पुं. (तत्.) 1. शृंगी, सिंधी नामक मछली 2. गहना बनाने के लिए सोना 3. विष अतिविषा 4. ऋषभ औषध, कर्कट शृंगी 5. काकाड़ा-सिंधी पुं. गहना बनाने के लिए सोना वि. सींग वाला, दाँतों वाला (हाथी) पुं. 1. पर्वत 2. वृक्ष 3. हाथी 4. मेष मेड़ 5. शमीक के पुत्र एक ऋषि (इन्हीं के शाप से परीक्षित को तक्षक ने डँसा था जिससे उनकी मृत्यु हुई थी) 6. सिंघा बाजा 7. शिव का एक गण।

**सृजय** पुं. (तत्.) एक जनपद का नाम, मनु का एक पुत्र।